Seventeenth Loksabha

an>

Title: Laid statement correcting the reply to Unstarred Question No. 1196 given on 28th June 2019 asked by Shri Ganesh Singh MP regarding 'MOU on Cancer Research Initiative and givng reasons for delay in correcting the reply.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से (एक) श्री गणेश सिंह, संसद सदस्य द्वारा पूछे "कैंसर अनुसंधान पहल संबंधी समझौता ज्ञापन" के बारे में अतारांकित प्रश्न संख्या 1196 का 28 जून, 2019 को दिए गए उत्तर को शुद्ध करने वाले और (दो) उत्तर को शुद्ध करने में हुए विलंब के कारणों को बताने वाले वक्तव्य (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) को सभा पटल पर रखता हूं ।

भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

"कैंसर शोध पहल पर समझौता ज्ञापन के संदर्भ" में दिनांक 28 जून, 2019 को उत्तर दिए गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या :1196 के भाग (क), (ख) और (ग) के उत्तर को सही करते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा दिए जाने वाला विवरण

प्रश्न	पिछला उत्तर	संशोधित उत्तर
(क) क्या सरकार ने भारत और यूके के बीच कैंसर शोध पहल के समझौता	(क) जी नहीं।	जी हां । जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने दिनांक 14 से 16 नवंबर, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित इनोग्रल रिसर्चर्स समिट के दौरान

ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आज की तिथि के अनुसार इसके क्या परिणाम हैं;		'कैंसर के प्रति किफायती दृष्टिकोण' नामक एक कैंसर अनुसंधान पहल हेतु कैंसर रिसर्च यूके (सीआरयूके) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके पश्चात् 19 से 20 मार्च, 2019 को लंदन में चैलेन्ज सेटिंग बैठक आयोजित हुई जिस में भारत एवं यूके के विशेषज्ञों तथा डीबीटी तथा सीआरयूके के प्रतिनिधियों द्वारा व्यापक चर्चा की गई थी तथा अनुसंधान पहल हेतु सात चुनौतियों को सूचीबद्ध किया गया था ।
कैंसर के सस्ते इलाज, रोक और देखभाल के मामलों का समाधान करने के लिए शोध चुनौतियों के लिए चिन्हित मुख्य विषयों का ब्यौरा क्या है;	(ख) और (ग): प्रश्न नहीं उठता है।	(ख) निर्धारित की गई सात चुनौतियां निम्नवत हैं: 1. घटनाओं में क्षेत्रीय विविधता को बेहतर रूप से समझने, कैंसर निवारण हेतु नए दृष्टिकोणों को सक्षम बनाने हेतु कैंसर जोखिम कारकों की पहचान और परिमाण निर्धारित करना । 2. कैंसर की शीघ्र पहचान में सुधार के लिए किफायती जांच उपकरण खोजना । 3. लक्षणात्मक कैंसरों के शीघ्र निदान में सुधार के लिए किफायती दृष्टिकोणों की पहचान करना 4. लक्षणात्मक कैंसर के शीघ्र निदान में सुधार के लिए किफायती अभिकलनात्मक (कम्प्यूटेशनल) दृष्टिकोणों का विकास करना

		5. लघु अणुओं (मोलक्यूल्स) का उपयोग करते हुए कैंसर उपचार में कठिनाई हेतु नवीन किफायती उपचार दृष्टिकोणों की पहचान करना 6. प्रभावी कैंसर उपचारों की किफायत में सुधार करना 7. कैंसरग्रस्त बच्चों और युवा लोगों में जीवन की दीर्घकालिक गुणवत्ता अवधि सुधारने हेतु दृष्टिकोणों का विकास करना
(ग) पहल के लिए कुल शोध वित्त पोषण का ब्यौरा क्या है तथा आज की तिथि के अनुसार परिणाम का ब्यौरा क्या है;		(ग) डीबीटी और सीआरयूके कैंसर हेतु किफायती दृष्टिकोण ढूंढने पर केन्द्रित 10 मिलियन पाउंड (90 करोड़ रुपए) वाली 5 वर्षीय अनुसंधान पहल आरंभ करने में भागीदार हैं। आज की तारीख तक का परिणाम यह है कि द्विपक्षीय अनुसंधान प्रयास हेतु सात चुनौतियों की पहचान का चरण-I पूरा कर लिया गया है ।

(अश्विनी कुमार चौबे)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री

“कैंसर अनुसंधान पहल पर समझौता ज्ञापन” के संबंध में दिनांक 28.06.2019 को उत्तर दिए गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1196 के भाग)क(, (ख (और)ग (केउत्तर में सुधार करने में विलंब का कारण

अताराकित प्रश्न संख्या 1196 का उत्तर दिनांक 28.06.2019 को लोकसभा में रखा गया था । प्रश्न के भाग (क), (ख) और (ग) के उत्तर में सुधार करने की जरूरत थी जो प्रश्न का उत्तर देने के बाद हमारे ध्यान में आया । अन्य विभागों से परामर्श करने में कुछ समय लगा । इस प्रकार, उत्तर में सुधार करते हुए अब उत्तर दिया जा रहा है ।

2. असुविधा के लिए खेद है।

(अश्विनी कुमार चौबे)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री